ShodhShreejan: Journal of Creative Research Insights
July-September 2026 3(2)
https://shodhshreejan.com/

Original Article

A STUDY OF COLOR IN CONTEMPORARY EXPERIMENTAL ART: WITH SPECIAL REFERENCE TO ARTISTS BRIJMOHAN ARYA AND HARENDRA SHAH

समकालीन प्रयोगवादी कला में रंगों का अध्ययन विशेष रूप से कलाकार बृजमोहन आर्या तथा हरेंद्र शाह के संदर्भ में

Rakhi Gupta [1*], **Kumkum Bhardwaj** [2]
[1] Research Scholar, Government Maharani Laxmi Bai Girls PG College, Indore, India
[2] Head of Department, Government Maharani Laxmi Bai Girls PG College, Indore, India

ABSTRACT

English: In contemporary experimental art, the use of color serves not merely to express aesthetic beauty but acts as a key artistic element that conveys the painter's emotions, psychological state, and sensibilities, as well as the socio-cultural environment surrounding the artist. In contemporary experimental art, the use of color has evolved beyond traditional applications to become a medium for expressing abstraction, emotion, dynamism, and the artist's unique imagination and ideas. This paper aims to conduct a specialized study of the works of artists Brijmohan Arya and Harendra Shah, specifically examining their color compositions and the ways in which their use of color conveys emotion and creates visual impact.

The objective of this research paper is not merely to describe the use of color in the works of Harendra Shah and Brijmohan Arya, but also to elucidate the evolving language of color and its communicative role in contemporary abstract art. It explores how artistic elements—such as color, form, line, and texture—interact within the pictorial space to create an aesthetic impact that captivates the viewer. A study of the language of color in Brijmohan Arya's work is significant because, as experimental artists from Madhya Pradesh, both he and Harendra Shah reimagine visual subjects through an abstract and experimental lens. In their art, the use of color goes beyond mere decoration of shapes; it presents a distinct visual language of freedom to the viewer.

Through an analysis of selected artworks by both artists, this paper examines the interplay between color and abstract forms. It explores how the artists utilize primary and secondary colors, the relationship between light and shadow, and the dynamics of color contrast and harmony. By studying their artworks, the paper seeks to understand their individual color sensibilities and techniques—such as brushstrokes, roller work, and color spreading—as well as the underlying mindset and experimental spirit driving their creative process. Thus, this research paper plays a vital role in understanding the expressive power and aesthetic impact of color in the works of contemporary experimental artists Harendra Shah and Brijmohan Arya.

Hindi: समकालीन प्रयोगवादी कला में रंगों के साथ प्रयोग कला के सौंदर्य को व्यक्त करने के लिए ही नहीं बल्कि चित्रकार की भावनाओं की अनुभूति, मनोवैज्ञानिक अवस्था, विचारों की संवेदना तथा कलाकार की चारों ओर का सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण को व्यक्त करने वाला एक प्रमुख कला के तत्वों में से है। प्रयोगवादी समकालीन कला में रंग पारंपरिक प्रयोग से दो कदम आगे बढ़कर अमूर्त्ता, भावात्मकता गतिशीलता,व्यक्ति विशेष की कल्पना और विचारों को अभिव्यक्त करने

*Corresponding Author:
Email address: Rakhi Gupta (Rakhi.Gupta@outlook.com)

Received: 16 July 2026; **Accepted:** 20 August 2026; **Published** 16 September 2026
DOI: 10.29121/ShodhShreejan.v3.i2.2026.94
Page Number: 58-62
Journal Title: ShodhShreejan: Journal of Creative Research Insights
Journal Abbreviation: ShodhShreejan J. Creat. Res. Insights
Online ISSN: 3049-074X, **Print ISSN:** 3108-3072
Publisher: Granthaalayah Publications and Printers, India
Conflict of Interests: The authors declare that they have no competing interests.
Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.
Authors' Contributions: Each author made an equal contribution to the conception and design of the study. All authors have reviewed and approved the final version of the manuscript for publication.
Transparency: The authors affirm that this manuscript presents an honest, accurate, and transparent account of the study. All essential aspects have been included, and any deviations from the original study plan have been clearly explained. The writing process strictly adhered to established ethical standards.
Copyright: © 2026 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

वाला माध्यम बन गया है इसी संदर्भ में प्रस्तुत पत्र में कलाकार बृजमोहन आर्या एवं हरेंद्र शाह की कलाओं का विशेष अध्ययन करने तथा उनकी कला में रंग का संयोजन रंगों के प्रयोग द्वारा कलाकार की भावनाओं को तथा रंगों की प्रभाव को समझने यह प्रयास किया गया है
इस शोध पत्र का उद्देश्य कलाकार हरेंद्र शाह एवं बृजमोहन आर्या के कला में रंगों के प्रयोग को बताना ही नहरल्बल्कि के रंगों की प्रयोग को बताना नहीं बल्कि वर्तमान समकालीन अमूर्त कला में बदलती रंगों की भाषा संप्रेषण की स्थिति को समझाना भी है कल के तत्व रंग रूप रेखा टेक्सचर्स किसी भी चित्र के स्थान में मिलकर किस प्रकार एक प्रभावशाली सौंदर्य प्रभाव पैदा करते हैं कि दर्शन मंत्र मुक्त हो जाता है कलाकार बृजमोहन सिंह की कला में रंगों की भाषा का संपर्क आत्मक अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण होता है कि मध्य प्रदेश के दोनों प्रयोगवादी कलाकार अमूर्त एवं प्रयोग धर्मी के द्वारा किसी दृश्य की कल्पना कर एक नए रूप में बताते हैं उनकी कला में रंगों का प्रयोग केवल आकृतियों को सजाना समान ही नहीं बल्कि विश्व स्वतंत्रता दृश्य भाषा को दशक के समक्ष प्रस्तुत भी करते हैं
प्रस्तुत शोध पत्र में दोनों कलाकारों की कुछ कृतियों के आधार पर, विश्लेषण के माध्यम से यह बताया जाएगा की कलाकृति में रंग और अमूर्त रूपों के बीच किस प्रकार परस्पर संबंध है प्राथमिक एवं द्वितीय रंगों, प्रकाश छाया के संबंध,रंगो के परस्पर विरोधाभास और समंजन का किस प्रकार कलाकार उपयोग करते हैं।दोनों समकालीन कलाकारों की कलाकृति का अध्ययन कर उनके व्यक्तिगत रंगबोध उनकी ब्रश की स्ट्रोक, रोलर, कलर को फैलाकर जो भी प्रयोग करते हैं उनकी उसके पीछे मनोदशा और प्रयोगधर्मी प्रवृत्ति को जानना।अतः यह शोध पत्र समकालीन प्रयोगवादी कलाकार हरेंद्र शाह एवं बृजमोहन आर्य की कला में रंगों की अभिव्यक्ति तथा उनका सौंदर्य पूर्ण प्रभाव को समझने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Keywords: Artist Harendra Shah, Brijmohan Arya, Contemporary Art, Study of Color, Color Psychology, Abstract Art, Experimental Art, कलाकार हरेंद्र शाह, बृजमोहन आर्य, समकालीन कला, रंगों का अध्ययन, रंग मनोविज्ञान, अमूर्त कला, प्रयोगवादी कला

प्रस्तावना

मध्य प्रदेश की समकालीन कला प्राचीन काल से चली आ रही विस्तृत विकसित जनजातीय कला,लोक कला एवं शास्त्रीय काल से प्रेरित होते हुए आधुनिकतावादी प्रयोगवाद के धरातल पर खरी उतरी है।मध्य प्रदेश के कलाकारों ने रंगों का अध्ययन या प्रयोग केवल सपाट रूप से भरने में ही नहीं किया बल्कि रंगों के द्वारा अपने विचारों,दर्शन, आंतरिक भावनाओं को संप्रेषित करने में भी किया है इन्होंने पश्चिम सिद्धांतों को एक जैसा लेने की जगह उसमें अपनी संस्कृति की पहचान, प्राकृतिक परिवेश, मानव की अनुभूतियों के साथ मिलकर एक नई दृश्य भाषा, रंगों की भाषा का निर्माण किया है।

इस शोध पत्र में मध्य प्रदेश की दो कलाकार हरेंद्र शाह,बृजमोहन आर्य जी को लिया है जहां एक और बृजमोहन आर्य की कला में प्रकृति,मानव की आकृतियों और आध्यात्मिक आदि का संयोजन बहुत सुंदर तरीके से किया है उनकी पेंटिंग में पारदर्शिता और रंगों की परतों का प्रयोग गहरी संवेदना को बताता है वही हरेंद्र शाह की कला ज्यामिति संरचनाओं संतुलित रंगों के खंड के माध्यम से अंतरिक्ष संरचना का विश्लेषण है यह शोध मध्य प्रदेश की समकालीन कला में दोनों कलाकारों की पेंटिंग में रंगों का दार्शनिक,आध्यात्मिक, संरचनात्मक, मनोवैज्ञानिक सभी बिंदुओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है।

कलाकार हरेंद्र शाह

वरिष्ठ चित्रकार हरेंद्र शाह का जन्म 23 मार्च 1952 में इंदौर में हुआ। उन्होंने 1973 इंदौर के फाइनल कॉलेज में नेशनल डिप्लोमा किया। आपने हुकुम मिल में 14 साल अपनी नौकरी की टेक्सटाइल में,बाद में जब मिल बंद हो गई तो उन्होंने एक फ्रीलांस आर्टिस्ट की तरह वर्क किया। Mazumder and Sharma (2026)

शुरुआत में ऑन द स्पॉट लैंडस्केप बनाते थे धीरे-धीरे उन्होंने रंगों के साथ अमूर्त कला में प्रयोग करना शुरू किया रंगों के द्वारा कई माध्यमों, तकनीक, कभी रोलर,नाइफ के दौरान तो कभी ब्रश और हाथों से टेक्सचर्स का प्रभाव दिखाना, लाइट का प्रभाव प्राइमरी रंगों से लेकर पेस्ट रंगों का प्रयोग और ऐक्रेलिक रंगों का प्रयोग सब कुछ समय के साथ-साथ बदलता चला गया और धीरे-धीरे उनके काम में परिपक्वता आती चली गई।मैंने उसके बाद कई एग्जीबिशन लगाई और कुछ राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भाग लिया। मेरी कुछ कलाकृतियां इंदौर के लाल बाग पैलेस,भारत भवन भोपाल, विधानसभा आदि कई जगह पर देखने को मिलती है।

समकालीन प्रयोगवादी कलाकार हरेंद्र शाह की कला अमूर्त् तथा भावात्मक अनुभूतियों के आपसी संमजस का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। उनकी कला व bahariजगत की अनुकरण के साथ भाव परिदृश्यों की रचना करती हैयह शोध प्रयोगवादी कलाकार हरेंद्र शाह की का पेंटिंग में प्रयोग उपयुक्त रंग योजना इस तरह बनावट रंगों के विभिन्न क्षेत्रों के द्वारा उत्पन्न आंतरिक संप्रेषण और दार्शनिक गहराई के बारे में बताता है। हरेंद्र शाह की कला सफर यथार्थवादी ग्रामीण वास्तुकला, प्राचीन लकड़ी के दरवाजे,पशु जीवन, से शुरू होती है और धीरे-धीरे विशुद्ध अमूर्त अभिव्यक्ति अभिव्यंजनात्मक भाव भूमि तक संजीदा अंकन मिलता है हरेंद्र शाह की पेंटिंग में रंगना केवल सौंदर्य का माध्यम बल्कि भावनाओं को संप्रेषित करने का सशक्त माध्यम है जहां एक और ushn और भूमिगत रंगों का पीला भूरा, गेरू आदि का प्रयोग किया है जो प्रकाश और ऊर्जा का केंद्रबिंदु भी होता है वहीं दूसरी ओर शीतल और शांत रंगों का प्रयोग फिरोजी,गहरा समुद्री नीला,ओलिव ग्रीन आदि का प्रयोग दर्शकों को शांत और ध्यान अस्त्र गहराई का एहसास कराता है।

उनकी शीतल पृष्ठभूमि पर गहरे काले श्वेत टेक्सचर्स का प्रयोग कला के तत्व रंग को स्थिरता देता है उनकी पेंटिंग में रंगों की परतों का उपयोग जैसे ऊपर नीचे का झलकता हुआ रंग पुराने समय के बिताने और स्मृतियों का एहसास दिलाते हैं कहीं पारदर्शी रंग तो कहीं अपारदर्शी खुरदरी रंगों का प्रयोग किया है उनकी पेंटिंग में कंट्रास्ट और मुटेड डाल शेड मोनोक्रोमेटिक एक रंगीन धरातल के बीच प्रयुक्त एकदम चमकीले लाल, हरे, काले स्टॉक का उपयोग भी देखने को मिलता है जो कैनवस को संतुलन देता है तथा दर्शन की दृष्टि को भी केंद्रित रखना है उनकी पेंटिंग के विश्लेषण के आधार पर पाया कि कैनवास पर क्षैतिज तथा ऊर्ध्वाधर खंड स्पष्ट दिखाई देते हैं चौकोर आयताकार खंड के अंदर तरल जैविक रेखाएं ,सूखे पत्ते तने जैसी प्रकृति संरचनाओं का होना संपूर्ण कैनवस को कठोर होने से सुरक्षित रखती है प्रत्येक रंग के खंडों स्वतंत्र होते हुए भी एक संगीतमय में बंधे रहते है।

कला में रंगों की चमक,आपस में संबंध, विरोधाभास, पारदर्शिता,परतों आदि द्वारा उनके संयोजन के माध्यम से कलाकृति में भावात्मकत एवं वैचारिक प्रभाव आता है अतः रंग सक्रिय रूप से जुड़कर कला के अर्थ और अनुभूति को प्रयुक्त करता है।

कलाकार बृजमोहन आर्या

मध्य प्रदेश के समकालीन प्रयोगवादी कलाकार, कला शिक्षक बृजमोहन आर्या जी का जन्म 20 अक्टूबर 1975 में सबलगढ़ मुरैना मध्य प्रदेश में हुआ है कला के क्षेत्र में शिक्षा 2000 में बैचलर ऑफ़ फाइन आर्ट तथा 2002 में एमएफए मास्टर ऑफ फाइन आर्ट उन्होंने फाइन आर्ट कॉलेज आर्ट ग्वालियर से किया।पहले इंदौर की कॉलेज में कार्यरत थे उसके बाद ग्वालियर तथा वर्तमान में गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट आफ फाइन आर्ट जबलपुर में चित्रकला विभाग में कार्यरत है।

उनकी पेंटिंग दक्षिण कोरिया के अंतरराष्ट्रीय कला उत्सव में शामिल हुई, जिसका शीर्षक "इमोशंस ऑफ नेचर" वाटर कलर में है उस समय बातचीत के द्वारा उन्होंने बताया कि वह अपनी कला में रंगों का चुनाव सौंदर्य के लिए नहीं बल्कि अपनी तत्कालीन मनोदशा और भावनाओं के अनुसार करते हैं मानव की संवेदनाओं तथा प्रकृति के बीच में जो संबंध होता है उसको वह मुख्त: अपने कैनवास पर उतरते हैं।

कलाकार बृजमोहन आर्या _इस शोध पत्र में प्रमुख पेंटिंग के माध्यम से उनकी कला में रंगों का अध्ययन किया जा सकता है।

*'**जर्नी आफ इमोशंस**'- इस पेंटिंग को कलाकार ने एक्रेलिक और मिक्स मीडिया में बनाया है चमकदार पीला गहरा नीला और श्वेत धूसर रंगों का प्रयोग किया है इस पेंटिंग में रंगों के द्वारा मानव की चेतना और उसकी अंदर की आत्मा की यात्रा को बताया है आकृति और अमूर्त धरातल के बीच रंगों के संतुलन को भी बताया गया है।

v'**जर्नी ऑफ़ नेचर**'- यह कैनवास पर तैलीय तथा एकृलिक रंगों से बनी पेंटिंग है इसमें मुख्ता सरसों पीला,ओलिव ग्रीन, भूरे मटमैले तानों का प्रयोग किया है, कमल की गट्टे,पत्तियां मानव की आकृतियों को एक रंगीन प्रभाव के साथ प्रस्तुत करती हैं।

'महादेव 2026'- यह कला फैब्रियानो पेपर पर जल रंग से बनी कृति है जिसमें वर्नसाएना कच्चाभूरा ,चारकोल ब्लैक नारंगी रंग का प्रयोग कियाहै।शिव तत्व, त्रिशूल, सर्प, पारंपारिक रूपाकारों का आध्यात्मिक खंडन इस पेंटिंग में बताया गया है। Jain and Ukande (2024)

' इमोशंस का नेचर'- इस पेंटिंग या कला रचना में मिक्स मीडिया और कोलाज का प्रभाव देखने को मिलता है मिश्रित भूरे हरे ,हल्के सुनहरे, गुलाबी रंगों की तानों का प्रयोग किया है। साउथ कोरिया के अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित यह मानव की संवेदना और उनका पर्यावरण के साथ संबंधों को स्पष्ट करती है।

यदि दोनों कलाकारों की कला का तुलनात्मक विश्लेषण किया जाए तो हम पाते हैं कि-

- रंगों का स्वभाव ब्रजमोहन जी की पेंटिंग में जैविक मिट्टी से जुड़े पारदर्शी और प्रवाहमय है वही हरेंद्र शाह की कला में रंग ग्राफिक, संरचित संतुलित और सपाट है
- रंगों का उद्देश्य, आर्या जी की भावनाओं, संवेदनाओं को प्रकट करना जबकि हरेंद्र साहब के हरेंद्र शाह के चित्रों में रंग अंतरिक्ष,संतुलन संरचना, दृश्य की खोज करते हैं।
- *ब्रजमोहन जी के रूपाकार मानव व प्रकृति का अमूर्त क्युविस्ट घनीय संयोजन, तो दूसरी ओर हरेंद्र शाह के चित्रों में रूपाकर ज्यामितीय रेखाएं स्पेस ऑफ प्रिंटमेकिंग, अनुशासित है।
- हरेंद्र शाह की चित्र लिथोग्राफी वुडकट सिरीग्राफी और कैनवास पर लगे हुए परतों जैसे, वहीं बृजमोहन जी के रंगों के चित्र जल रंग, मिक्स मीडिया एकृलिक,फ्री फ्लो टेक्सचर्स का आभास कराते हैं।

निष्कर्ष

समकालीन प्रयोगवादी कलाकार बृजमोहन आर्या और हरेंद्र शाह दो विभिन्न परंतु विरोधी पूरक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं। हरेंद्र शाह की कला में रंग एक वास्तुशिल्पी अनुशासन तथा ज्यामितीय रेखाएं खंड और न्यूनतम बाद के साथ करते हैं जबकि बृजमोहन आर्य की पेंटिंग में रंगों का प्रयोग प्रकृति लोक चेतना मानव की संवेदनाओं भावनाओं के तरल माध्यम के रूप में देखने को मिलता है। आर्य के चित्रों में रंगों की परतों का प्रयोग मिट्टी के रंगों का प्रयोग बताते हैं कि यह पश्चिमी

आधुनिकतावादी नहीं बल्कि प्राचीन यादों का एक दृश्य रूपांतरण हैजो दर्शक को यथार्थ से दूर आध्यात्म की ओर ले जाता है अतः रंगों के अध्ययन से स्पष्ट है कि समकालीन प्रयोगवादी कला में रंग केवल सौंदर्य शास्त्रीय तत्व नहीं बल्कि अनुभूति,अभिव्यंजना संवेदनाओं या संप्रेषण का एक सशक्त माध्यम है।

संदर्भ

Indian Art Ideas. (n.d.). Harendra Shah: Artist Profile, Biodata and Abstract Art Composition (हरेन्द्र शाह: कलाकार परिचय, जीवनी एवं अमूर्त कला रचना). Indian Art Ideas.

Jain, P., and Ukande, A. (2024). Brushstrokes and Bites: Exploring the Artistic Fusion of Food and Colors in Indore, Inspired by Artist Wayne Thiebaud (ब्रशस्ट्रोक्स और बाइट्स: वेन थिबॉड से प्रेरित इंदौर में भोजन और रंगों के कलात्मक संयोजन की खोज). ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts, 5(2), 122–141. https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i2.2024.1126

Mazumder, M., and Sharma, M. N. (2026). Colour Psychology and Creative Expression of the Indian Artists Community (भारतीय कलाकार समुदाय का रंग मनोविज्ञान और रचनात्मक अभिव्यक्ति). ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts, 7(8S), 234–257. https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v7.i8s.2026.7850

Mojarto Art Portal. (n.d.). Brijmohan Arya: Artist Profile and Artwork — Journey of the Emotion, Nature Movement, Journey of the Nature (बृजमोहन आर्या: कलाकार परिचय एवं कलाकृति — भावना की यात्रा, प्रकृति आंदोलन, प्रकृति की यात्रा). Mojarto Art Portal.

NDTV Madhya Pradesh. (2023, October). South Korea Antarrashtriya Kala Parv Mein Kalakar Brijmohan Arya Ki Kriti “Emotions of Nature” Ki Sehbhagita and Samiksha (दक्षिण कोरिया अंतर्राष्ट्रीय कला पर्व में कलाकार बृजमोहन आर्या की कृति “Emotions of Nature” की सहभागिता एवं समीक्षा). NDTV Madhya Pradesh News Report.

Painted Rhythm Art Gallery. (n.d.). Harendra Shah: Aspects of the Abstract — Primary Abstract and Oil on Canvas Series Profile (हरेन्द्र शाह: अमूर्त कला के पहलू — प्राथमिक अमूर्त एवं कैनवास पर तेल चित्र श्रृंखला परिचय). Painted Rhythm Art Gallery.